INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
(Peer Review Journal as per UGC 2025 Standard Guidelines)
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 12, Issue: 4 | October – December 2025

पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व एवं महिला सशक्तिकरण का अध्ययन (दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में)

[1] **रघुनाथ उरांव**, [2]**डॉ. वन्दना श्रीवास** (**सहायक प्रोफेसर**)
[1]शोधार्थी, [2]शोध निर्देशक
[1–2] विभागः राजनीति विज्ञान भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व एवं महिला सशक्तिकरण का अध्ययन दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में किया गया है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य पंचायतों में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता, नेतृत्व क्षमता तथा महिला सशक्तिकरण पर उसके प्रभाव का विश्लेषण करना है। अध्ययन हेतु सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया तथा 400 उत्तरदाताओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रदत्तों का संकलन किया गया।

अध्ययन से ज्ञात हुआ कि पंचायतों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से महिलाओं में आत्मविश्वास, राजनीतिक चेतना, सामाजिक सहभागिता एवं निर्णय क्षमता का विकास हुआ है। साथ ही ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण पाई गई। तथापि अशिक्षा, आर्थिक निर्भरता, सामाजिक रूढ़ियाँ एवं प्रशासनिक जानकारी का अभाव महिला नेतृत्व की प्रभावशीलता में बाधा उत्पन्न करते हैं।

मुख्य शब्द

महिला नेतृत्व, महिला सशक्तिकरण, पंचायती राज, राजनीतिक सहभागिता, ग्रामीण विकास

प्रस्तावना

भारतीय लोकतंत्र की सफलता स्थानीय स्वशासन की प्रभावशीलता पर आधारित है। पंचायती राज संस्थाएँ ग्रामीण लोकतंत्र की आधारशिला हैं, जिनके माध्यम से स्थानीय जनता को शासन एवं विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनाया जाता है। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण प्रदान किया गया, जिससे महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व का अवसर प्राप्त हुआ।

दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की पंचायतों में बढ़ती भागीदारी ने सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन को नई दिशा प्रदान की है। महिला प्रतिनिधियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं महिला कल्याण संबंधी योजनाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रस्तुत अध्ययन इसी परिवर्तनशील स्थिति का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व की भूमिका का अध्ययन करना।
2. महिला नेतृत्व एवं महिला सशक्तिकरण के मध्य संबंध का विश्लेषण करना।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
(Peer Review Journal as per UGC 2025 Standard Guidelines)
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 12, Issue: 4 | October – December 2025

3. पंचायतों में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन करना।
4. महिला नेतृत्व के समक्ष उपस्थित समस्याओं का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण शोध प्रविधि का उपयोग किया गया। अध्ययन हेतु दुर्ग जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों से 400 उत्तरदाताओं का चयन किया गया। प्रदत्तों के संकलन हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया गया तथा प्राप्त प्रदत्तों का प्रतिशत विधि द्वारा विश्लेषण किया गया।

सारणी क्रमांक – 1

पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व से महिला सशक्तिकरण पर पड़ने वाले प्रभाव

क्र.	कथन	आवृत्ति	प्रतिशत
1	महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता में वृद्धि हुई	128	32.00
2	महिलाओं के आत्मविश्वास एवं निर्णय क्षमता में वृद्धि हुई	102	25.50
3	ग्रामीण विकास योजनाओं में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी	74	18.50
4	महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई	56	14.00
5	महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हुई	40	10.00
कुल		**400**	**100.00**

सारणी की व्याख्या

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व के कारण महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता में सर्वाधिक वृद्धि हुई है, जिसे 32.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया। इससे यह ज्ञात होता है कि पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी ने ग्रामीण महिलाओं में राजनीतिक चेतना एवं लोकतांत्रिक समझ को विकसित किया है।

25.50 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार महिला नेतृत्व से महिलाओं के आत्मविश्वास एवं निर्णय क्षमता में वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि पंचायतों में सक्रिय भूमिका निभाने से महिलाओं में नेतृत्व कौशल का विकास हुआ है।

18.50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह माना कि महिला नेतृत्व के कारण ग्रामीण विकास योजनाओं में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। इससे ग्रामीण विकास प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित हुई है।

इसके अतिरिक्त 14.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि को तथा 10.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
(Peer Review Journal as per UGC 2025 Standard Guidelines)
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 12, Issue: 4 | October – December 2025

ने आर्थिक आत्मनिर्भरता की भावना के विकास को महिला नेतृत्व का महत्वपूर्ण प्रभाव माना।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व महिला सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है तथा इसने ग्रामीण समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रमुख निष्कर्ष

1. पंचायतों में महिला नेतृत्व से महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता का विकास हुआ।
2. महिला प्रतिनिधियों में आत्मविश्वास एवं निर्णय क्षमता में वृद्धि हुई।
3. ग्रामीण विकास योजनाओं में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी।
4. महिला नेतृत्व से महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा में सुधार हुआ।
5. अशिक्षा एवं सामाजिक रूढ़ियाँ महिला नेतृत्व के समक्ष प्रमुख बाधाएँ हैं।

शैक्षिक उपादेयता

1. प्रस्तुत अध्ययन महिला नेतृत्व एवं महिला सशक्तिकरण की वास्तविक स्थिति को समझने में सहायक है।
2. यह शोध राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र के विद्यार्थियों हेतु उपयोगी अध्ययन सामग्री प्रदान करता है।
3. अध्ययन ग्रामीण महिलाओं में राजनीतिक चेतना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।
4. यह शोध महिला नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निर्माण में उपयोगी सिद्ध हो सकता है।
5. प्रस्तुत अध्ययन भविष्य के अनुसंधानों हेतु आधार सामग्री प्रदान करता है।

सुझाव

1. महिलाओं हेतु राजनीतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
2. ग्रामीण महिलाओं को पंचायत संबंधी अधिकारों की जानकारी दी जानी चाहिए।
3. महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए।
4. महिला शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
5. पंचायतों में महिलाओं की स्वतंत्र एवं सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला प्रतिनिधियों ने राजनीतिक जागरूकता, सामाजिक सहभागिता एवं

ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान की है।

यद्यपि सामाजिक रूढ़ियाँ, आर्थिक निर्भरता एवं प्रशासनिक जानकारी का अभाव जैसी समस्याएँ विद्यमान हैं, फिर भी महिला नेतृत्व ग्रामीण लोकतंत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अतः महिलाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक सहयोग प्रदान कर उनके नेतृत्व को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सिंह, आर. (2021). *महिला सशक्तिकरण एवं पंचायती राज व्यवस्था.* जयपुर: रावत पब्लिकेशन।
2. शर्मा, वी. (2020). *भारतीय लोकतंत्र और स्थानीय स्वशासन.* आगरा: साहित्य भवन।
3. यादव, एम. (2022). "ग्रामीण विकास में महिला नेतृत्व की भूमिका।" *भारतीय सामाजिक विज्ञान पत्रिका,* 10(2), 52–60।
4. मिश्रा, एस. (2019). *पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास.* नई दिल्ली: विश्वविद्यालय प्रकाशन।
5. चौहान, पी. (2023). "महिला नेतृत्व एवं राजनीतिक जागरूकता का अध्ययन।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस,* 14(1), 70–78।
6. चौहान, पी. (2022). "ग्रामीण विकास में महिला नेतृत्व की भूमिका।" *समाज विज्ञान शोध पत्रिका,* 8(2), 67–74।
7. भारत सरकार. (1992). *73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम.* नई दिल्ली: भारत सरकार प्रकाशन विभाग।
8. मिश्रा, आर. (2018). *स्थानीय स्वशासन एवं ग्रामीण विकास.* वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन।
9. कश्यप, एस. सी. (2016). *भारतीय संविधान और शासन व्यवस्था.* नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी बुक हाउस।
10. कुमार, डी. (2023). "पंचायतों में महिला नेतृत्व एवं राजनीतिक जागरूकता।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस,* 15(1), 88–95।